विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ,लक्खीसराय

रूपम कुमारी , वर्ग-सप्तम,विषय-हिन्दी

दिनांक-२८/६/२०.

|| अध्ययन-सामग्री ||

बच्चों ,

आज की सुबह ढ़ेर सारी खुशियाँ लेकर आए इस कामना के साथ आज के कक्षा की शुरुआत करते हैं ।.

पठन-पाठन : आज की कक्षा में हम आपके हिन्दी पाठ्य-पुस्तक के पाठ -२ की कहानी स्नेह की चर्चा करेंगे .....

|| स्नेह ||.

---- विष्णु प्रभाकर

लेखक -परिचय :.

जिनका जन्म 22 जून 1912 को मेरापुर जिला मुजफ्फरनगर में हुआ था । यह गांधीवादी विचारधारा के लेखक थे । उन्होंने अनेकों उपन्यास, कहानियां ,नाटक और एकांकी की रचना की ।.

शब्द-संपदा:.

- **उत्सुकता- जिज्ञासा ,**
- **धातक- हानिकारक**
- **भावावेश -भावुक होकर**
- **विह्वल- व्याकुल ,बेचैन**
- **चीत्कार -चिल्लाना**
- **कातर- दुखी ,**
- **स्तंभित निस्तब्ध**

- ***हतभागिनी – दुर्भाग्यशालिनी***
- ***संज्ञाहीन - मुर्च्छित ,बेहोश आर्द्र -भीगी ,गीला***

पात्र-परिचय:.

- ***शशि- बिना 'माता -पिता का बालक जो हमेशा भयभीत रहता था ।***
- ***निरुपमा- एक कर्कश महिला जो शशि को हमेशा प्रताड़ित करती थी तथा परिवार की सबसे बड़ी बहू ।***
- ***उमा- घर की नई बहू तथा शशि की छोटी ताई***
-

पाठ -भूमिका : यह कहानी एक बालक और उसके ताई के बीच के अजीब स्नेही की कहानी है यहां बालक अनाथ है और

उसकी परवरिश उसके ताई के द्वारा की जाती यह कहानी हृदय को दुखाने वाली है /.

// स्नेह //

उमा स्नान करके पूजा की कोठी की ओर जा रही थी । उसने देखा कि शशि की कोठरी से दो आँखें   बड़ी उत्सुकता से उसकी ओर ताक रही है । उससे रहा न गया ।वहीं जाकर पूछा- " क्या कहते हो शशि ?"

शशि कांप उठा । बोला-" नहीं कुछ नहीं ।" उमा ने फिर कहा- " बोलो ! हम आ गए हैं ,क्या कहते हो शशि ?"

शशि फिर भी नहीं बोला । उसने केवल उमा की ओर देख भर लिया । उसकी आंखों में पानी उमड़ आया था ।

उमा कातर हुई ।

उसने कहा ,तुम रोते क्यों हो बच्चे ?

इस बार शशि बोला –" चाची तुम चली जाओ ,नहीं तो ताई आकर मुझे मारेगी ।"

"क्यों मारेगी?"

शेष कहानी अगली कक्षा में ....

दी गई सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ें और अपनी कॉपी में लिखें ।.

धन्यवाद 🌷🍂🌴🌴🌴🌴🤗🤗